



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 269 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 12, 2000/वैशाख 22, 1922

No. 269]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 12, 2000/VAISAKHA 22, 1922

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

( पोत परिवहन खंड )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 2000

सा.का.नि. 432( अ ).—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 [1958 का 44] की धारा 457 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम प्रारम्भ और लागू होना - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (पोतों के सुरक्षित प्रचालन के लिए प्रबंधन ) नियम, 2000 है।

1 ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 ये नियम भारतीय पोतों और निम्नलिखित का प्रचालन करने वाली भारतीय पोत परिवहन कंपनियों को लागू होंगे :

(क) यात्री पोत जिसके अंतर्गत किसी भी आकार के उच्च गति यात्री यान भी हैं ।

(ख) तेल टैंकर, रसायन टैंकर, गैस वाहक, प्रपुंज वाहक और 500 या इससे अधिक सकल टन भार वाले उच्च गति स्थौरा यान ।

2 परिभाषाएं - इस नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) 'दुर्घटना' से ऐसी घटना अभिप्रेत है जिसमें जीवन को हानि या क्षति पर्यावरण, पोत या उसके स्थौरा को हानि या क्षति अंतर्विलित हो;

- (ख) 'अधिनियम' से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है ;
- (ग) 'लेखा परीक्षा' से अभिप्रेत है ऐसी व्यवस्थित और स्वतंत्र परीक्षा जो यह अवधारित करे कि क्या सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली योजनाबद्ध व्यवस्था का अनुपालन करती है और क्या ऐसी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाती हैं और अपेक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त है;
- (घ) 'लेखा परीक्षक' से अभिप्रेत है अधिनियम की धारा 9 के अधीन नियुक्त ऐसा सर्वेक्षक जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं के अनुसार योग्यता रखता हो और सत्यापन कार्य के लिए प्रशिक्षण प्राप्त हो ।
- (ङ) 'शाखा कार्यालय' से ऐसा कार्यालय अभिप्रेत है जो कंपनी का भाग है, उसके नियंत्रणाधीन और जो उसी सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत आता हो,
- (च) 'प्रपुंज वाहक' से ऐसा पोत अभिप्रेत है जो साधारणतयः एकल डैक रचना के आधार पर निर्मित किया जाता है, जिसमें स्थौरा के लिए निर्धारित स्थान के ऊपर की ओर तथा किनारों की ओर टैंक लगे हों और प्राथमिक रूप से प्रपुंज सूखे स्थौरा के परिवहन के लिए आशयित है और जिसके अंतर्गत अयस्क वाहक तथा संयुक्त वाहक भी है ,
- (छ) 'रसायन टैंकर' से अभिप्रेत है अंतरराष्ट्रीय प्रपुंज रसायन संहिता के अध्याय 17 में सूचीबद्ध कोई परिसंकटमय उत्पाद के परिवहन के लिए निर्मित या अंगीकृत और प्रयुक्त स्थौरा पोत,
- (ज) 'कंपनी' से पोत का स्वामी या कोई अन्य संगठन या व्यक्ति अथवा पोत के प्रचालन के लिए जिम्मेदार बेयरबोट चार्टर अभिप्रेत है,
- (झ) 'विकट परिस्थितियों में पोत प्रचालन' से ऐसे प्रचालन अभिप्रेत है जिनमें दुर्घटना कारित करने या ऐसी स्थिति जिससे लोगों, पर्यावरण या पोत की सुरक्षा के लिए भय उत्पन्न होने की संभावना हो,
- (ञ) 'अभिहित व्यक्ति' से ऐसा तटवर्ती व्यक्ति अभिप्रेत है जिसकी सीधी पहुंच प्रबंधन के उच्चतम स्तर तक हो, जो प्रत्येक पोत के प्रचालन की सुरक्षा और प्रदूषण पहलुओं को मानीटर करने के उत्तरदायित्व और प्राधिकार से युक्त हों ,
- (ट) 'अनुपालन दस्तावेज' से किसी कंपनी को पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा जारी किया गया अनुपालन प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,
- (ठ) 'गैस वाहक' से अभिप्रेत है ऐसा स्थौरा पोत जिसका निर्माण या अंगीकरण और प्रयोग बड़ी मात्रा में द्रवित गैस या अन्य किसी ऐसे उत्पाद को ले जाने के लिए किया गया हो जो अंतरराष्ट्रीय गैस वाहक संहिता में सूचीबद्ध हो,

- (इ) 'उच्च गति यान' से अभिप्रेत है ऐसा यान जो प्रति सेकेण्ड मीटरों में अधिकतम गति से 3.75°:1667 के बराबर या उससे अधिक चल सकने में सक्षम हो, जहाँ  $\Delta$  = स्थान परिवर्तन करने की स्थिति में आकार जलस्तर केतदनुरूप (एम<sup>१</sup>) हो,
- (ढ) 'आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लेखा परीक्षा' से ऐसी नियमित तथा स्वतंत्र सत्यापन प्रक्रिया अभिप्रेत है जो कंपनी द्वारा अपने प्रबंधन कार्य के एक भाग के रूप में यह अवधारित करने के लिए की जाती है कि क्या सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कार्यकलाप तथा संबंधित परिणाम कंपनी की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की अनुपालना में है,
- (ण) 'प्रमुख विसंगति' से अभिप्रेत है ऐसा पहचाने जा सकने वाला विचलन जिसके कारण कार्मिकों या पोत की सुरक्षा का संकट उत्पन्न हो सकता हो या उससे पर्यावरण को कोई गंभीर खतरा पैदा होने की स्थिति हो जिसमें तुरंत सुधार कार्रवाई करने की अपेक्षा हो,
- (त) 'समुद्र तटीय बेधन एक्क' से ऐसा जलयान अभिप्रेत है जो समुद्र तट निचले तल से संसाधनों की खोज या टोहन करने के लिए बेधन प्रणालियों में सक्षम हो,
- (थ) 'विसंगति' से ऐसी प्रेक्षित स्थिति अभिप्रेत है जिसमें वस्तुपरक साक्ष्य से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता में विनिर्दिष्ट अपेक्षा की उपेक्षा दृष्टिगोचर होती हो,
- (द) 'तेल टैंकर' से ऐसा पोत अभिप्रेत है जो अपने स्थौरा स्थानों में थोक मात्रा में तेल को मुख्य रूप से ले जाने के लिए निर्मित या अंगीकृत किया गया हो तथा जिसके अंतर्गत संयुक्तवाहक भी हो;
- (ध) 'संगठन' से अंतरराष्ट्रीय समुद्र संगठन अभिप्रेत है;
- (न) 'सुरक्षा प्रबंधन लेखा परीक्षा' से ऐसी नियमित तथा स्वतंत्र जाँच अभिप्रेत है जिसमें यह अवधारण लिया जाय कि क्या सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के कार्य कलाप और संबंधित परिणाम नियोजित व्यवस्था से मेल खाते हैं ; तथा क्या वे व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जा रही हैं तथा क्या वे उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उपयुक्त है ;
- (प) 'सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र' से पोत परिवहन महानिदेशक या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा किसी पोत को जारी किया गया वह प्रमाण पत्र अभिप्रेत है जो वह प्रकट करता है कि कंपनी और इसका पोत प्रबंधन प्रचालन अपने कार्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अनुसार ही करेगा;

(फ) “ सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली ” से ऐसी ढाँचागत और प्रलेखित प्रणाली अभिप्रेत है ताकि कंपनी के कार्मिक कंपनी की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण नीति को प्रभावी रूप से लागू कर सके;

### 3. सत्यापन की कसौटी

(1) केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित को अवधारित करते हुए कंपनी द्वारा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं के अनुपालन को सत्यापित करेगी कि -

(क) कंपनी की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप है, और

(ख) सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि निम्नलिखित उद्देश्य प्राप्त कर लिए गए हैं, अर्थात् :-

(i) आज्ञापक नियमों और विनियमों का अनुपालन है और

(ii) लागू अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता, संगठन केन्द्रीय सरकार वर्गीकरण सोसायटी और

(iii) समुद्रीय उद्योग संगठन द्वारा संस्तुत मार्गदर्शनों और मानकों का ध्यान रखा जाता है ।

(2) जब आज्ञापक अपेक्षाएं कानूनी अथवा वर्गीकरण सर्वेक्षणों के अधीन न हों तब कंपनी उनके अनुपालन और कार्यान्वयन का वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रस्तुत करना सुनिश्चित करने के लिए

- विनिर्दिष्ट प्रलेखित प्रक्रिया और अनुदेश उपलब्ध कराएगी ।

4. सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की अपेक्षाएं :- प्रत्येक कंपनी सरकार द्वारा अनुमोदित सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का विकास करेगी उसे लागू करेगी, तथा उसे बनाए रखेगी जिसमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं :-

(क) सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण नीति जिसमें निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के बारे में कंपनी की स्पष्ट प्रतिबद्धता शामिल है ; अर्थात् :

(i) समुद्र में सुरक्षा, जनाघात अथवा जीवन हानि का निवारण और पर्यावरण खासतौर पर समुद्री पर्यावरण और सम्पत्ति को नुकसान से बचाव सुनिश्चित करना ;

(ii) पोत प्रचालन में सुरक्षित पद्धति और सुरक्षित कार्यावातावरण उपलब्ध कराना; और

(iii) सभी जाने पहचाने जोखिमों के खिलाफ सुरक्षा स्थापित करना ; और

(iv) सुरक्षा और पर्यावरण दोनों से संबंधित आपदाओं के लिए तैयार सहित पोत पर तथा तट पर कार्मिकों के सुरक्षा प्रबंध कौशल में लगातार सुधार करना

**5. अनुपालन दस्तावेज और सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र :-** (I) अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप केन्द्रीय सरकार प्रारंभिक सत्यापन करने के पश्चात कंपनी को अनुपालन दस्तावेज जारी करेगी, उस प्रयोजन के लिए :-

- (क) लेखा परीक्षक यह सत्यापित करेगा कि सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की स्थापना और कार्यान्वयन नियम 3 में विनिर्दिष्ट उद्देश्यों को पूरा करते हैं और लेखापरीक्षक ऐसे सत्यापन को संतोषजनक रूप से पूरा करने पर केन्द्रीय सरकार को इस आशय की एक घोषणा प्रस्तुत करेगा; और
  - (ख) ऐसी घोषणा के समाधानप्रद पाए जाने पर केन्द्रीय सरकार अनुपालन दस्तावेज जारी करेगी जो किन्हीं खास विसंगतियों के न होने की स्थिति में निर्धारण की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगी या किन्हीं खास विसंगतियों की स्थिति में उसके समाधानप्रद ढंग से दूर किए जाने की तारीख से जो भी लागू हो विधिमान्य होगा ।
- (2) अनुपालन दस्तावेज :-
- (क) जिस प्रकार के पोत का प्रारंभिक सत्यापन कर के अनुपालन दस्तावेज जारी किया गया है उसके लिए विधिमान्य होगा ।
  - (ख) ऐसे अतिरिक्त प्रकार के पोतों के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं के अनुसार कंपनी की क्षमता का सत्यापन करने के पश्चात इसकी समय सीमा बढ़ाई जा सकती है ।
  - (ग) अनुपालन दस्तावेज सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के प्रभावी ढंग से कार्य करने की पुष्टि की तारीख से तीन महीने पहले या तीन महीने के पश्चात लेखा परीक्षक द्वारा वार्षिक सत्यापन के पश्चात जारी किया जाएगा जो तीन महीने के भीतर ही किया जाएगा और ऐसे सत्यापन में प्रत्येक प्रकार के कम से कम एक ऐसे पोत जिस पर अनुपालन दस्तावेज लागू होता है के संबंध में कानूनी और वर्गीकरण अभिलेखों के सही होने की जांच और सत्यापन शामिल होंगे तथा पिछले सत्यापन के बाद सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में किए गए सुधारात्मक उपाय और उपांतरणों का सत्यापन भी किया जाएगा ।
- (3) अनुपालन दस्तावेज के नवीकरण के लिए सत्यापन प्रमाण पत्र की समाप्ति के ठीक छह महीने पहले की अवधि के भीतर किया जाएगा ।
- (4) अनुपालन दस्तावेज तब तक जारी, पृष्ठान्कित अथवा नवीकृत नहीं किया जाएगा, जब तक कंपनी द्वारा प्रमुख विसंगतियां दूर नहीं कर दी जाती हैं और लेखा परीक्षक द्वारा उसका सत्यापन नहीं कर दिया गया हो ।

- (5) किसी कंपनी के प्रत्येक पोत के लिए पृष्ठांकित की गई अनुपालन दस्तावेज की प्रति पोत पर रखी जाएगी, जिसे अनुरोध पर सत्यापन के लिए मास्टर द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा और दूसरी ऐसी प्रति कंपनी के प्रत्येक शाखा कार्यालय में उपलब्ध कराई जाएगी।
- (6) केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित स्थितियों में अनुपालन दस्तावेज वापस ले लेगी :-
- (क) यदि समय सीमा के भीतर सुधारात्मक कार्रवाई पूरी नहीं की गई;
  - (ख) यदि कालिक सत्यापन का अनुरोध नहीं किया गया;
  - (ग) अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के संशोधनों का विचार नहीं किया;
  - (घ) यदि कोई प्रमुख विसंगति पाई जाती है;
  - (ङ) यदि सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में किए गए सारवान उपांतरण केन्द्रीय सरकार को अधिसूचना नहीं किया जाता है और लेखा परीक्षक द्वारा सत्यापित नहीं किया जाता है

**स्पष्टीकरण:-** पिछली लेखा परीक्षा में किसी विसंगति के विरुद्ध सुधारात्मक उपाय समय सीमा के भीतर न करना प्रमुख विसंगति मानी जाएगी।

- (7) प्रारंभिक सत्यापन लेखा परीक्षा के संतोषजनक ढंग से पूरा करने पर अनुपालन दस्तावेज को पुनः विधिमान्य किया जा सकेगा।
- (8) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र (एस एम सी) केन्द्रीय सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुपालन का प्रारंभिक सत्यापन करने के पश्चात पोत के बारे में सुरक्षा प्रमाण पत्र जारी करेगी और इस प्रयोजन के लिए :-
- (क) लेखा परीक्षक पोत पर सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की स्थापना और कार्यान्वयन का सत्यापन करेगा जिसमें यह सत्यापन करना शामिल है कि कंपनी को जारी अनुपालन दस्तावेज उसी पोत के लिए जारी किया गया है जिस विशिष्ट प्रकार की पोत के लिए लागू है ;
  - (ख) कंपनी की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली पोत पर कम से कम तीन महीने प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है इस बात का वस्तुनिष्ठ साक्ष्य पोत पर किए गए आंतरिक लेखा परीक्षा के अभिलेख पोत पर उपलब्ध होने चाहिए ,
  - (ग) जहां सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली संतोषजनक ढंग से काम कर रही है, लेखा परीक्षक पोत को सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र जारी करने के लिए केन्द्रीय सरकार को इस आशय की घोषणा प्रस्तुत करेगा।
- (9) कंपनी के मुख्य कार्यालय में सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र की एक प्रति उपलब्ध होगी।

- (10) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर जारी किया जाएगा ।  
 (क) उस प्रकार के पोत के बारे में विधिमान्य अनुपालन दस्तावेज मौजूद है,  
 (ख) नियम 3 का अनुपालन ; और  
 (ग) विधिमान्य कानूनी प्रमाण पत्रों को बनाए रखना ।
- (11) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र तब तक जारी, पृष्ठांकित अथवा नवीकृत नहीं किया जाएगा जब तक कंपनी प्रमुख विसंगतियों को दूर नहीं कर देती और लेखा परीक्षक द्वारा सत्यापन नहीं कर दिया जाता परंतु यह कि सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र विसंगतियों को दूर करने से पहले ही जारी, पृष्ठांकित या नवीकृत किया जा सकता है बशर्ते आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के बारे में कंपनी और लेखा परीक्षक के बीच स्वीकृत समय अवधि 3 महीने से अधिक न हो यदि ऐसी विसंगतियां दूर करना कंपनी के नियंत्रण से बाहर हो ।
- (12) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र पांच वर्ष के लिए विधिमान्य होगा बशर्ते सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के प्रभावी ढंग से कार्य करने के बारे में कम से कम एक बार मध्यवर्ती सत्यापन हुआ हो और पिछले सत्यापन के बाद किए गए उपांतरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संहिता की अपेक्षाओं को पूरा करता हो ।

परंतु यह कि कतिपय मामलों में, खासतौर पर सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के लागू होने की प्रारंभिक अवधि अथवा विसंगति के मौजूद होने के कारण मध्यवर्ती सत्यापन की बारम्बारता बढ़ाई जा सकती है ;

परंतु यह और कि जहां एक ही मध्यवर्ती सत्यापन किया गया है वहां दूसरा मध्यवर्ती सत्यापन दूसरे वर्ष और तीसरे वर्ष के बीच होगा ।

- (13) यदि प्रमुख विसंगतियां नहीं हैं तो सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र निर्धारण के पूरे होने की तारीख से जारी किया जाएगा या उन प्रमुख विसंगतियों के संतोषजनक ढंग से समाप्त होने की तारीख से जारी किया जाएगा जैसा भी हो ।
- (14) केन्द्रीय सरकार सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र को अविधिमान्य घोषित कर सकती है जिनमें अन्य बातोंके साथ साथ निम्नलिखित शामिल होंगे ;  
 (क) उपनियम (11) के उपबंध का पालन न करना ;  
 (ख) स्वीकृत समय सीमा के भीतर सुधारात्मक कार्रवाई पूरी नहीं की गई ;  
 (ग) कालिक सत्यापन का अनुरोध नहीं किया गया;  
 (घ) अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता में किए गए संशोधनों का पालन नहीं किया गया;  
 (ङ) किसी प्रमुख विसंगति का कोई प्रमाण मिले;  
 (च) सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में किए गए सारवान उपांतरण जिन्हें केन्द्रीय सरकार को अवगत नहीं कराया गया तथा लेखा परीक्षक द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है ।

**स्पष्टीकरण** :- पिछली लेखा परीक्षा में किसी विसंगति के विरुद्ध सुधारात्मक उपाय नियमित समय के भीतर न करना प्रमुख विसंगति मानी जाएगी ।

- (14) अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता में विनिर्दिष्ट उद्देश्यों को पूरा करने में इसकी प्रभावकारिता के संबंध में और उस पोत के संबंध में सभी पहलुओं का मूल्यांकन करने के बाद सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र का पुनः पांच वर्ष की अवधि के लिए नवीकरण किया जा सकेगा ।
- (15) प्रारंभिक सत्यापन लेखा परीक्षा के समाधानपूर्ण समापन पर सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र को अन्तिम रूप से पुनः विधिमान्यता दी जा सकेगी ।

**6. अंतरिम अनुपालन दस्तावेज और सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र :-**

(1) निम्नलिखित दशाओं में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के प्रारंभिक कार्यान्वयन को सुकर बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा बारह मास से अनधिक के लिए विधिमान्य अंतरिम अनुपालन दस्तावेज जारी किया जाएगा, अर्थात :-

- (क) जहां कंपनी की नवीन स्थापना हुई हो, या
- (ख) जब कंपनी ऐसे प्रकार के पोत के प्रचालन की जिम्मेदारी ले ले जो अनुपालन दस्तावेज में सूचीबद्ध न हो;

परंतु यह कि कंपनी यह प्रदर्शित करे कि उसके पास ऐसी सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली है जो नियम 3 के उद्देश्यों को पूरा करती है ।

(2) निम्नलिखित दशाओं में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के प्रारंभिक कार्यान्वयन को सुकर बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा छः मास से अनधिक की अवधि के लिए एक अंतरिम सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, अर्थात :-

- (क) नए पोतों की सुपुर्दगी पर, या
- (ख) तब कंपनी ऐसे पोत के प्रचालन की जिम्मेदारी लेती है जो कि कंपनी के लिए नया हो, परंतु आपवादिक परिस्थितियों में कंपनी द्वारा अभयावेदन करने के पश्चात अंतरिम सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र की विधिमान्यता अगले छः मास से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ाई जा सकती है ।

**7. मान्यता प्राप्त संगठन' द्वारा सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र का जारी किया जाना ।**

(1) केन्द्रीय सरकार अपनी ओर से किसी मान्यता प्राप्त संगठन को सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र को जारी करने के लिए प्राधिकृत कर सकती है जो पांच मास की अवधि के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता लेखा परीक्षा की समाप्ति तक जारी कर सकता है जो कि केन्द्रीय सरकार द्वारा पूर्ण अवधि प्रमाणपत्र जारी करने तक विधिमान्य माना जा सकता है ।

(2) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है बशर्ते कोई प्रमुख विसंगति न बची हो और लेखा परीक्षक औपचारिक रूप से पोत के प्रमाणीकरण की संस्तुति कर दे ।

**स्पष्टीकरण** :- " मान्यता प्राप्त संगठन" से अंतरराष्ट्रीय समुद्रीय संगठन द्वारा यथाअनुमोदित कोई संगठन अभिप्रेत है ।



## 8. प्रमाणीकरण प्रक्रिया

- (1) कंपनी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता प्रमाणीकरण के लिए केन्द्रीय सरकार को आवेदन करेगी जिसके साथ सुसंगत सूचना जिसके अंतर्गत सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक प्रकार के पोत का आकार और कुल संख्या और कोई अन्य आवश्यक समझे जाने वाले दस्तावेज होंगे ।
- (2) किसी कंपनी को अनुपालन दस्तावेज और किसी पोत को सुरक्षा प्रबंधन प्रमाण पत्र जारी करने और उसके अनुरक्षण के लिए प्रमाणन प्रक्रिया में साधारणतया सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की लेखा परीक्षा सहित निम्नलिखित अंतर्वर्तित है :-
  - (क) प्रारंभिक सत्यापन ;
  - (ख) कालिक या माध्यमिक सत्यापन, और
  - (ग) नवीकरण का सत्यापन ।
- (3) किसी कंपनी को अनुपालन दस्तावेज जारी करने के लिए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित के द्वारा प्रारंभिक सत्यापन कर सकती है :-
  - (क) यह सत्यापित करने के उद्देश्य से कि सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है, दस्तावेज का पुनर्विलोकन ।
  - (ख) कार्यालय और पोत पर कम से कम तीन महीने के लिए सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का प्रभावी ढंग से कार्य करने को सत्यापित करने की दृष्टि से कंपनी की लेखा परीक्षा ।
- (4) सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित के द्वारा किसी पोत का प्रारंभिक सत्यापन कर सकेगी :-
  - (क) सत्यापन कि कंपनी का अनुपालन दस्तावेज विधिमान्य और उस प्रकार की पोत के लिए सुसंगत है ,
  - (ख) सुरक्षा प्रबंधन जो कम से कम तीन मास तक कार्यालय और पोत के बोर्ड पर परिचालन में था के प्रभावी कार्य के सत्यापन के उद्देश्य से लेखा परीक्षा का सत्यापन ।
- (5) केन्द्रीय सरकार माध्यमिक सत्यापन कर सकेगी जो यथास्थिति सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र या अनुपालन दस्तावेज की दूसरी और तीसरी वार्षिक तारीख के बीच में होगा । केन्द्रीय सरकार उसके द्वारा जारी किए गए अनुपालन दस्तावेज और सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र की विधिमान्यता बनाए रखने के लिए निम्नलिखित का सत्यापन कर सकेगी :-
  - (क) सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का प्रभावी कार्य :-
  - (ख) कि सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के संभव उपांतरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हैं ,
  - (ग) कि सुधारात्मक कार्रवाई क्रियान्वित की गई है और
  - (घ) कि कानूनी और वर्गीकृत प्रमाणपत्र विधिमान्य है और कोई भी सर्वेक्षण अतिशोध्य

- (6) किसी कंपनी को नए अनुपालन दस्तावेज अथवा किसी पोत को नए सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए लेखा परीक्षा के नवीकरण का कार्य वर्तमान अनुपालन दस्तावेज अथवा सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख से छः मास पहले आरंभ कर दिया जाएगा और उस तारीख तक पूर्ण कर दिया जाएगा ।
- (9) **लेखा परीक्षा से संबंधित जिम्मेदारियां :**
- (1) अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं के पालन का सत्यापन होते हुए भी कंपनी, प्रबंधन, अधिकारियों या नाविकों की पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण से संबंधित भारतीय विधि और अंतरराष्ट्रीय विधि के अनुपालन की जिम्मेदारी होगी ।
- (2) **कंपनी के कर्तव्य निम्नलिखित होंगे :-**
- (क) कंपनी के कर्मचारियों को लेखा परीक्षा के उद्देश्यों और कार्यक्षेत्र के बारे में जानकारी देना ;
- (ख) लेखा परीक्षकों की सहायता के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की नियुक्ति करना ;
- (ग) प्रभावी और दक्षतापूर्ण सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए जिनकी लेखा परीक्षक को आवश्यकता हो, वे दस्तावेज अभिलेख और सूचना उपलब्ध कराना ।
- (घ) लेखा परीक्षकों द्वारा मांगे गए उपागम और वास्तविक साक्ष्य उपलब्ध कराना ;
- (ङ) लेखा परीक्षा के उद्देश्य पूरे करने में लेखा परीक्षकों की सहायता करना ।
- (3) **लेखा परीक्षक :-**
- (क) सौंपी गई जिम्मेदारियों का प्रभावी रूप से और दक्षतापूर्वक नियोजन करेगा और उनको कार्यान्वित करेगा ;
- (ख) प्रयोजनीय अपेक्षाओं और अन्य उपयुक्त निर्देशों का अनुपालन करेगा ;
- (ग) लेखा परीक्षा कार्य में आई बड़ी रुकावटों की सूचना देगा ;
- (घ) लेखा परीक्षा की समुचित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार विशिष्ट तकनीकी सहायता का प्रबंध करेगा ;
- (ङ) कंपनी और पोत की विसंगतियों को तत्काल स्पष्ट करेगा तथा इसकी सूचना देगा ;
- (च) यदि कोई टिप्पणी हो तो संबंध जनों को इसकी सूचना देगा ;
- (छ) लेखा परीक्षा रिपोर्ट को स्पष्ट रूप से, निश्चायक रूप में और बिना अनुचित विलंब के केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा ;
- (ज) जब अकेले ही लेखा परीक्षा कर रहे हों तो कंपनी और/या पोत मास्टर को लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।
- (झ) लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप कंपनी के द्वारा सुधार के लिए किए गए कार्यों की प्रभावशीलता का सत्यापन करेगा ।
- (4) लेखा परीक्षा/सत्यापन के काम में लगे कार्मिक प्रमाणिकरण से संबंधित दस्तावेजों की गोपनीयता सुनिश्चित करेंगे ।

अंतरिम सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र

आकृति

यथासंशोधित समुद्र पर जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन, 1974 के  
उपबंधों के अधीन

और

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी किया गया

पोत का नाम

सुभिन्न संख्यांक या अक्षर

रजिस्ट्री पत्तन

पोत का प्रकार

सकल टन भार

आई एम ओ संख्यांक

कंपनी का नाम और पता

यह प्रमाणित किया जाता है कि पोत की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली पोतों के सुरक्षित प्रचालन के लिए और प्रदूषण निवारण (आई एस एम संहिता) के लिए संकल्प ए-788 (19) द्वारा अंतरराष्ट्रीय समुद्रीय संगठन द्वारा यथाअंगीकृत प्रशासनों द्वारा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के कार्यान्वयन पर निर्देशन के पैरा 3.3.4. और 3.3.5 के उपबंधों का अनुपालन करती है ।

यह अंतरिम सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र ----- तक विधिमान्य है ।

जारी करने का स्थान

जारी करने की तारीख

प्रमाणपत्र संख्यांक

मुख्य सर्वेक्षक, भारत सरकार  
पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई

मुद्रा या स्टैम्प

निम्नलिखित में से पोत का प्रकार अंतःस्थापित करें :-

यात्री पोत, उच्चगति यात्री यान; स्थौरा उच्च गति यान; प्रपुंज वाहक, तेल टैंकर, गैस वाहक, और समुद्र तटीय चल बेघन एकक, अन्य ।

## अंतरिम अनुपालन दस्तावेज

आकृति

यथासंशोधित समुद्र पर जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेन्शन,  
1974 उपबंधों के अधीन  
और

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी किया गया कंपनी का नाम और पता

यह प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को नीचे सूचीबद्ध पोतों के प्रकार के लिए संकल्प ए 741 (18) से आई एम ओ द्वारा यथाअंगीकृत पोतों के सुरक्षित प्रचालन के लिए और प्रदूषण निवारण के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता के पैरा 1.2.3 के उद्देश्यों को पूरा करने वाली (जो समुचित हो लोप करें) :

यात्री पोत  
उच्च गति यात्री यान  
स्थौरा उच्च गति यान  
प्रपुंज वाहक  
तेल टैंकर  
रसायन टैंकर  
गैस वाहक  
समुद्र तटीय चल बेधन एकक  
अन्य स्थौरा पोत

यह अंतरिम अनुपालन दस्तावेज ----- तक विधिमान्य है

जारी करने का स्थान  
जारी करने की तारीख  
प्रमाणपत्र सं०

मुख्य सर्वेक्षक, भारत सरकार  
पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुद्रा या स्टैम्प)

अनुपालन दस्तावेज

आकृति

यथासंशोधित समुद्र पर जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेन्शन, 1974 और भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी किया गया

कंपनी का नाम और पता :

यह प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की लेखा परीक्षा कर दी गई है और यह कि यह नीचे सूचीबद्ध पोतों के प्रकार के लिए संकल्प ए 741 (18) से आई एम ओ द्वारा यथाअंगीकृत पोतों के सुरक्षित प्रचालन के लिए और प्रदूषण निवारण के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन करनी है ।  
(जो समुचित हो लोप करें)

यात्री पोत  
उच्च गति यात्री यान  
स्थौरा उच्च गति यान  
प्रपुंज वाहक  
तेल टैंकर  
रसायन टैंकर  
गैस वाहक  
समुद्र तटीय चल वेधन एकक  
अन्य स्थौरा पोत

यह अनुपालन दस्तावेज कालिक सत्यापन के अधीन ----- तक विधिमान्य है ।

जारी करने का स्थान  
जारी करने की तारीख  
प्रमाणपत्र सं०

मुख्य सर्वेक्षक, भारत सरकार  
पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुद्रा या स्टैम्प)

**वार्षिक सत्यापन के लिए पृष्ठांकन**

यह प्रमाणित किया जाता है कि सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कन्वेन्शन के अध्याय 9 के विनियमन 6 के अनुसार कालिक सत्यापन पर आई एस एम संहिता की अपेक्षाओं का पालन करती पाई गई थी ।

पहला वार्षिक सत्यापन

हस्ताक्षर -----

(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)

स्थान -----

तारीख -----

दूसरा वार्षिक सत्यापन

हस्ताक्षर -----

(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)

स्थान -----

तारीख -----

तीसरा वार्षिक सत्यापन

हस्ताक्षर -----

(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)

स्थान -----

तारीख -----

चौथा वार्षिक सत्यापन

हस्ताक्षर

(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)

स्थान -----

तारीख -----

**सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र**

आकृति

यथासंशोधित समुद्र पर जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेन्शन, 1974 के उपबंधों के अधीन  
और

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी किया गया

पोत का नाम

सुभिन्न संख्यांक या अक्षर

रजिस्ट्री पत्तन

पोत का प्रकार

सकल टन भार

आई एम ओ संख्यांक

कंपनी का नाम और पता

यह प्रमाणित किया जाता है कि पोत की सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की लेखा परीक्षा कर दी गई है और यह कि यह सत्यापन करने के पश्चात कि कंपनी का अनुपालन दस्तावेज पोत के इस प्रकार को लागू होता है, यह यथासंशोधित संकल्प ए- 741 (18) द्वारा अंतरराष्ट्रीय समुद्रीय संगठन द्वारा यथाअंगीकृत पोतों के सुरक्षित प्रचालन के लिए और प्रदूषण निवारण (आई एस एम) के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है।

यह सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कालिक सत्यापन और अनुपालन दस्तावेज की विधिमान्यता के अधीन --  
तक विधिमान्य है

जारी करने का स्थान

जारी करने की तारीख

प्रमाणपत्र सं०

मुख्य सर्वेक्षक, भारत सरकार  
पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुद्रा या स्टैम्प)

निम्नलिखित में से पोत का प्रकार अंतःस्थापित करें :- यात्री पोत, उच्च गति यात्री यान, स्थौरा उच्च गति यान, प्रपुंज वाहक, तेल टैंकर, रसायन टैंकर, गैस वाहक, और समुद्र तटीय चल बेधन एकक, अन्य स्थौरा पोत।

## कालिक सत्यापन और अतिरिक्त सत्यापन (यदि अपेक्षित हो) का पृष्ठांकन

यह प्रमाणित किया जाता है कि कालिक सत्यापन पर सुरक्षा पर सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कन्वेन्शन के अध्याय 9 के विनियमन 6 के अनुसार आई एस एम संहिता की अपेक्षाओं का पालन करती पाई गई थी ।

माध्यमिक सत्यापन  
(दूसरे और तीसरे वार्षिक  
तारीख के बीच पूरा किया जाएगा)

हस्ताक्षर  
(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)  
स्थान -----  
तारीख -----

( स्टैम्प )  
अतिरिक्त सत्यापन

हस्ताक्षर -----  
(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)  
स्थान -----  
तारीख -----

( स्टैम्प )  
अतिरिक्त सत्यापन

हस्ताक्षर -----  
(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)  
स्थान -----  
तारीख -----

( स्टैम्प )  
अतिरिक्त सत्यापन

हस्ताक्षर -----  
(प्राधिकृत पदधारी के हस्ताक्षर)  
स्थान -----  
तारीख -----

यदि लागू हो

[ फा. नं. एस आर-11012/3/99-एमए ]

संजय विक्रम सिंह, उप सचिव



**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT****(Shipping Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 12th May, 2000

**G. S. R. 432(E).**— In exercise of the powers conferred by Section 457 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :-

**1 Short title, commencement and application. -**

(1) These Rules may be called the Merchant Shipping (Management for the Safe Operation of Ships) Rules, 2000.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) These rules shall apply to Indian ships, and to Indian shipping companies operating -

(a) passenger ships including passenger high speed crafts, of any size;

(b) oil tankers, chemical tankers, gas carriers, bulk carriers, and high-speed cargo crafts of 500 gross tonnage or more

**2. Definitions -** In these rules, unless the context otherwise requires:-

**(a) “Accident”** means an accident involving injury or damage to life, the environment, ship or its cargo;

**(b) “Act”** means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) ;

**(c) “audit”** means a systematic and independent examination to determine whether the Safety Management System complies with the planned arrangements and such arrangements are implemented effectively and are sufficient to achieve the desired objectives;

- (d) **“auditor”** means a Surveyor, qualified and trained for performing verification of compliance with the requirements of the International Safety Management Code, appointed under section 9 of the Act;
- (e) **“Branch office”** means an office, which is part of the Company, is under its control and covered by the same Safety Management System .
- (f) **“Bulk carrier”** means a ship which is constructed generally with single deck, top-side tanks and hopper side tanks in cargo spaces, and is intended primarily to carry dry cargo in bulk, and includes ore carriers and combination carriers;
- (g) **“Chemical tanker”** means a cargo ship constructed or adopted and used for the carriage of any hazardous product listed in Chapter 17 of the International Bulk Chemical Code;
- (h) **“Company”** means the owner of the ship or any other organisation or person, or the bareboat charterer, responsible for the operation of the ship;
- (i) **“Critical shipboard operation”** means operations which are likely to cause an accident or a situation threatening the safety of the people, the environment or the ship;
- (j) **“Designated person”** means a person ashore with direct access to the highest level of management, charged with the responsibility and the authority to monitor the safety and pollution aspects of the operation of each ship;
- (k) **“Document of compliance”** means a Certificate of Compliance issued by the Director General of Shipping to a Company;

- (l) **“Gas carrier”** means a cargo ship constructed or adapted and used for the carriage in bulk of any liquefied gas or other product listed in the International Gas Carrier Code;
- (m) **“High speed craft”** means a craft capable of maximum speed in metres per seconds equal to or exceeding  $3.7 \nabla^{0.1667}$ , where  $\nabla$  = displacement corresponding to the design waterline ( $m^3$ );
- (n) **“Internal Safety Management System audit”** means a systematic and independent verification process carried out by the Company as part of its management function to determine whether the Safety Management System activities and related results are in compliance with the Company's Safety Management System;
- (o) **“Major non-conformity”** means an identifiable deviation which poses a serious threat to personnel or ship safety or a serious risk to the environment and requires immediate corrective action;
- (p) **“Mobile offshore drilling unit”** means a vessel capable of being engaged in drilling operations for the exploration or exploitation of resources beneath the seabed;
- (q) **“Non-conformity”** means an observed situation where objective evidence indicated the non-fulfilment of a specified requirement of the International Safety Management Code;
- (r) **“Oil tanker”** means a ship constructed or adapted primarily to carry oil in bulk in its cargo spaces and includes combination carriers;
- (s) **“Organisation”** means the International Maritime Organisation;

(t) **“Safety management audit”** means a systematic and independent examination to determine whether the Safety Management System activities and related results comply with planned arrangements and whether these arrangements are implemented effectively and are suitable to achieve objectives;

(u) **“Safety Management Certificate”** means a Certificate issued by Director General of Shipping or any officer authorised by him in this behalf to a ship which signifies that the Company and its shipboard management operate in accordance with the Safety Management System;

(v) **“Safety Management System”** means a structured and documented system enabling Company personnel to effectively implement the Company Safety and Environment Protection Policy;

### **3. Criteria for verification;**

(1) The Central Government shall verify compliance by the company with the requirements of the International Safety Management Code by determining that –

(a) Company's Safety Management System conforms with the requirements of International Safety Management Code; and

(b) The Safety Management Systems ensures that the following objectives are achieved, namely:-

(i) There is compliance with mandatory Rules and regulation and

(ii) The applicable International Safety Management Code, guidelines and Standards recommended by the Organisation, the Central Government, classification societies and maritime industry organisation are taken into account.

(2) When mandatory requirements are not subject to statutory or classification surveys, the Company shall provide specific documented procedures and instructions to ensure compliance with them and to provide objective evidence of their implementation.

**4. Safety Management System Requirements-** Every Company shall develop, implement and maintain a Safety Management System approved by the Government which shall inter-alia include :-

**(a) Safety and environmental protection policy** which shall explicitly establish the commitment of the Company to achieve the following objectives; namely-

- (i) ensuring safety at sea, prevention of human injury or loss of life, and avoidance of damage to the environment, in particular to the marine environment and to property;
- (ii) providing safe practices in ship operation and a safe working environment;
- (iii) establishing safeguards against all identified risks; and
- (iv) improving safety management skills of personnel ashore and on board ships, including preparing for emergencies related both to safety and environment protection.

**5. Document of Compliance and Safety Management Certificate:**

(1) A Document of Compliance shall be issued by the Central Government to a Company after an initial verification of compliance with the requirements of the International Safety Management Code, for which purpose:-

- (a) the Auditor shall verify that the establishment and implementation of the Safety Management System meet the objectives specified in rule 3, and on satisfactory completion of such verification, the Auditor shall present a declaration to the Central Government to that effect; and
- (b) where such declaration is found satisfactory, the Central Government shall issue a Document of Compliance, valid for a period of five years from the date of completion of assessment if there are no major non-conformities, or from the date of satisfactory closure of major non-conformities, as the case may be

**(2) The Document of Compliance –**

- (a) shall be valid for the type of ships on which the initial verification was based.
- (b) may be extended to cover additional types of ships after verification of the Company's capability to comply with the requirements of the International Safety Management Code for such additional types of ships.
- (c) shall be subject to annual verification by Auditors which may be done within three months before or after the annual date to confirm the effective functioning of the Safety Management System in the Company, and such verification shall include, examining and verifying the correctness of the statutory and classification records for at least one ship of each type to which the Document of Compliance applies, and corrective actions and modifications to the Safety Management System carried out since previous verification shall be verified.

- (3) Verification for renewal of Document of Compliance shall be carried out within a period of 6 months immediately preceding expiry of the certificate.

- (4) A Document of Compliance shall not be issued, endorsed or renewed unless major non-conformities have been fully rectified by the Company and verified by the Auditor.
- (5) A copy of Document of Compliance, endorsed for each ship of the Company, shall be kept on board in order that the Master can produce it on request for verification, and another such shall be kept at each branch office of the Company.
- (6) The Central Government may withdraw the Document of Compliance if -
- (a) corrective actions is not completed within the stipulated time ;
  - (b) a periodical verification is not asked for ;
  - (c) amendments to International Safety Management Code are not taken into account;
  - (d) there is evidence of a major non-conformity ;
  - (e) substantial modification to the Safety Management System is not notified to Central Government and verified by the Auditor.

*Explanation:- A non-conformity from previous audit against which corrective action is not taken within the stipulated time shall be deemed to be a major non-conformity.*

- (7) A Document of Compliance may be revalidated upon satisfactory completion of an initial verification Audit.
- (8) **A Safety Management Certificate (SMC)** shall be issued by the Central Government to a ship after an initial verification of compliance with the requirements of the International Safety Management Code as follows and for this purpose-

- (a) the Auditor shall verify the establishment and implementation of Safety Management System on board the ship, which includes the verification that the

Document of Compliance for the Company responsible for the operation of the ship is applicable to that particular type of ship;

(b) there is an objective evidence demonstrating that the Company's Safety Management System has been functioning effectively for at least three months on board the ship , including *inter alia*, records from the internal audits carried out on the ship.

(c) the Auditor shall, where a satisfactory Safety Management System is in operation, present a declaration to that effect to the Central Government for issuance of a Safety Management Certificate to the ship.

(9) A copy of the Safety Management Certificate issued shall be available at the Company's head office.

(10) The issue of a Safety Management Certificate shall be subject to -

(a) the existence of a valid Document of Compliance for that type of ship,

(b) the compliance with rule-3, and

(c) the maintenance of valid statutory certificates,

(11) A Safety Management Certificate shall not be issued, endorsed or renewed unless major non-conformities have been rectified by the Company and verified by the Auditor :

Provided Safety Management Certificate may be issued, endorsed or renewed pending rectification of non-conformities within such period not exceeding three months as may be agreed to between the Company and the



Auditor, if such non-conformities could not be rectified for reasons beyond Company's control.

- (12) The period of validity of a Safety Management Certificate shall be five years, subject to minimum of one intermediate verification confirming effective functioning of the Safety Management System, and that any modifications carried out since the previous verification comply with the requirements of the International Safety Code .

Provided that the frequency of the intermediate verification may be increased in certain cases, particularly during the initial period of operation of the Safety Management System or due to the nature of non-conformities:

Provided further that where one intermediate verification has been carried out, the second intermediate verification shall take place between the second year and the third year.

- (13) Safety Management Certificate shall be issued from the date of completion of assessment if there are no major non-conformities, or from the date of satisfactory rectification of major non-conformities, the case may be.
- (14) A Safety Management Certificate may be declared invalid by the Central Government, inter alia for :-
- (a) non-compliance with the provision to sub rule( II),
  - (b) corrective actions are not completed within the agreed time schedule ;
  - (c) periodical verification is not asked for;

- (d) amendments to the International Safety Management Code are not complied ;
- (e) evidence of a major non-conformity;
- (f) substantial modification to the Safety Management System which has not been notified to the Central Government and verified by the Auditor.

*Explanation :- A non-conformity from previous audit against which corrective action is not taken within the stipulated time shall be deemed to be a major non-conformity;*

- (15) Renewal of the Safety Management Certificate for a further period of five years shall include assessment of all elements of the Safety Management System pertaining to that ship and its effectiveness in meeting the objectives specified in the International Safety Management Code.
- (16) The Safety Management Certificate may be revalidated provisionally upon satisfactory completion of an initial verification audit.

#### **6. Interim Document of Compliance and Safety Management Certificate:**

**(1) An Interim Document of Compliance , valid for not more than twelve months, shall be issued by the Central Government to facilitate initial implementation of the International Safety Management Code in the following cases ,namely:**

- (a)** where a Company is newly established, or
- (b)** when a Company takes on responsibility for the operation of the type of a ship which is not listed in the Document of Compliance:

Provided that the Company demonstrates that it has a Safety Management System that meets the objectives of rule 3.

**(2) An Interim Safety Management Certificate shall be issued for a period of not more than six months by the Central Government to facilitate initial implementation of the International Safety Management Code in the following cases namely:-**

(a) to new ships on delivery, or

(b) when a Company takes on the responsibility for the operation of a ship which is new to the Company.

Provided that in exceptional circumstances, after representation by the company, the validity of the Interim Safety Management Certificate may be extended for a further period not exceeding six months.

**7. Issuance of Safety Management Certificate by "Recognised Organisation"**

(1) The Central Government may duly authorise a recognised organisation to issue on its behalf the Safety Management Certificate for a period of five months at the completion of an International Safety Management Code audit to cover the period until a full term certificate is issued by the Central Government..

(2) The Safety Management Certificate may be issued provided no major non-conformities remain and the Auditor formally recommends certification of the ship.

Explanation:- "Recognised Organisation" means an organisation as approved by International Maritime Organisation.

**8. The Certification Process:**

(1) The Company shall apply to the Central Government for International Safety Management Code **certification**, with relevant information, which shall include the size and total number of each type of ship covered by the Safety Management System and any other documentation considered necessary.

(2) The certification process relevant for the issuance and maintenance of a Document of Compliance for a Company and a Safety Management Certificate to a ship shall generally involve, including audit of the Safety Management System; -

- (a) initial verification,
- (b) periodical or intermediate verification, and
- (c) renewal verification.

(3) For issuing a Document of Compliance to a Company, the Central Government may have Initial Verification, by way of :-

- (a) Review of document review in order to verify that the Safety Management System complies with the International Safety Management Code requirement.
- (b) Company audit, in order to verify the effective functioning of the Safety Management System for at least three months in the office as well as in ship

(4) For issuing a Safety Management Certificate, the Central Government may have initial verification of a ship by way of :-

- (a) Verifying that the Company's Document of Compliance is valid and relevant to that type of ship;
- (b) Verifying audit, in order to verify the effective functioning of the Safety Management System which has been in operation for atleast three months on board the ship.

(5) The Central Government may have intermediate verification which shall take place between second and third annual date of Safety Management Certificate or as the case may be of the Document of Compliance, to maintain the validity of the Document of Compliance and the Safety Management Certificate issued by it to verify -

- (a) the effective functioning of the Safety Management System ;
- (b) that possible modifications of the Safety Management System comply with the requirements of the International Safety Management Code;
- (c) that corrective action has been implemented; and
- (d) that statutory and classification certificates are valid and no surveys are overdue.

**(6) Renewal Verification audit for the issuance of a fresh Document of Compliance to a Company or a Safety Management Certificate to a ship shall be carried out six months before the date of expiry of the existing Document of Compliance or Safety Management Certificate and shall be completed before the date of expiry.**

**9. Responsibilities pertaining to Audit:**

(1) Notwithstanding the verification of compliance with the requirements of the International Safety Management Code, it shall be the responsibility of the Company, management, officers or seafarers to comply with Indian laws and international laws relating to safety and protection of the environment.

(2) It shall be duty of the Company to-

- (a) inform the Company's employees about the objectives and scope of the Audit;
- (b) to appoint responsible members of staff to assist the Auditor.
- (c) provide the relevant documents , records and

information needed by Auditor to ensure an effective and efficient verification process.

(d) provide access and objective evidence as requested by Auditor(s).

(e) co-operate with the Auditor to permit the audit objectives to be achieved.

(3) The Auditor shall: -

(a) plan and carry out assigned responsibilities effectively and efficiently;

(b) comply with the applicable requirements and other appropriate directives;

(c) report any major obstacles encountered in performing the Audit;

(d) organise specialist technical assistance required to fulfil the competence requirements of the Audit as and when appropriate;

(e) communicate and clarify the non-conformities to the Company and the ship immediately;

(f) communicate to those concerned observations, if any ;

(g) submit the Audit report clearly, conclusively and without undue delay to the Central Government;

(h) submit the Audit report to the Company and /or the Ship Master when acting as sole Auditor;

(i) verify the effectiveness of corrective actions taken by the Company as a result of the Audit.

4) Personnel participating in the audit/verification shall ensure confidentiality of documents pertaining to the certification.

## INTERIM SAFETY MANAGEMENT CERTIFICATE

Issued under the provisions of the **International Convention for the  
Safety of Life at Sea, 1974** as amended  
and  
Under the authority of the **Government of India**

Name of Ship:

Distinctive Number or Letters:

Port of Registry:

Type of Ship\*:

Gross Tonnage:

IMO Number:

Name and Address of Company:

This is to certify that the Safety Management System of the ship complies with the provisions of paragraphs 3.3.4 and 3.3.5 of the Guidelines on Implementation of the International Safety Management Code for the Safe Operation of Ships and for Pollution Prevention (ISM Code) by Administrations as adopted by the International Maritime Organization by resolution A.788 (19).

This Interim Safety Management Certificate is valid until .....

Issued at

Date of issue

Certificate No.

.....  
Chief Surveyor with the Govt. of India  
Directorate General of Shipping  
Mumbai

(Seal or stamp of the issuing authority)

\*Insert the type of ship from among the following: Passenger Ship; Passenger High-Speed Craft; Cargo High-Speed Craft; Bulk Carrier; Oil Tanker; Chemical Tanker; Gas Carrier; Mobile Offshore Drilling Unit; Other Cargo Ship.

**INTERIM DOCUMENT OF COMPLIANCE**

Issued under the provisions of the **International Convention for the Safety of Life at Sea, 1974** as amended and

Under the authority of the **Government of India**

Name and address of the Company:

THIS IS TO CERTIFY THAT the safety management system of the Company has been recognized as meeting the objectives of paragraph 1.2.3 of the International Safety Management Code for the Safe Operation of Ships and for Pollution Prevention as adopted by the IMO with Resolution A.741 (18) for the type(s) of ships listed below

(Delete as appropriate):

Passenger ship  
Passenger high-speed craft  
Cargo high-speed craft  
Bulk carrier  
Oil tanker  
Chemical tanker  
Gas carrier  
Mobile offshore drilling unit  
Other cargo ship

This Interim Document of Compliance is valid until .....

Issued at

Date of issue

Certificate No.

.....  
Chief Surveyor with the Govt. of India  
Directorate General of Shipping  
Mumbai

(Seal or stamp of issuing authority)



**DOCUMENT OF COMPLIANCE**

Issued under the provisions of the **International Convention for the Safety of Life at Sea, 1974** as amended and

Under the authority of the **Government of India**

Name and address of the Company:

THIS IS TO CERTIFY THAT the safety management system of the Company has been audited and that it complies with the requirements of the International Safety Management Code for the Safe Operation of Ships and for Pollution Prevention as adopted by the IMO with Resolution A 741 (18) for the types of ships listed below (Delete as appropriate):

Passenger ship  
Passenger high-speed craft  
Cargo high-speed craft  
Bulk carrier  
Oil tanker  
Chemical tanker  
Gas carrier  
Mobile offshore drilling unit  
Other cargo ship

This Document of Compliance is valid till ..... subject to periodical verification.

Issued at

Date of issue:

Certificate No

.....  
Chief Surveyor with the Govt. of India  
Directorate General of Shipping  
Mumbai

(Seal or stamp of issuing authority)

**ENDORESEMENT FOR ANNUAL VERIFICATION**

THIS IS TO CERTIFY THAT, at the periodical verification in accordance with regulation 6 of chapter IX of the Convention, the safety management system was found to comply with the requirements of ISM Code.

1<sup>st</sup> Annual Verification

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

2<sup>nd</sup> Annual Verification

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

3<sup>rd</sup> Annual Verification

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

4<sup>th</sup> Annual Verification

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

**SAFETY MANAGEMENT CERTIFICATE**

Issued under the provisions of the **International Convention for the  
Safety of Life at Sea, 1974** as amended  
and  
Under the authority of the **Government of India**

Name of Ship:

Distinctive Number or Letters:

Port of Registry:

Type of Ship\* :

Gross Tonnage:

IMO Number:

Name and Address of Company:

**This is to certify** that the Safety Management System of the ship has been audited and that it complies with the requirements of the International Safety Management Code for the Safe Operation of Ships and for Pollution Prevention (ISM Code) as adopted by the International Maritime Organization by resolution A.741(18) as amended, following verification that the Document of Compliance for the Company is applicable to this type of ship.

This Safety Management Certificate is valid until ....., subject to periodical verification and the validity of Document of Compliance.

Issued at:

Date of issue:

Certificate No.:

.....  
Chief Surveyor with the Govt. of India  
Directorate General of Shipping  
Mumbai

(Seal or stamp of the issuing authority)

\*insert the type of ship from among the following: Passenger Ship; Passenger High-Speed Craft; Cargo High-Speed Craft; Bulk Carrier; Oil Tanker; Chemical Tanker; Gas Carrier; Mobile Offshore Drilling Unit; Other Cargo Ship

**Endorsement of Periodical Verification and Additional Verification(if required)**

**This is to certify**, at the periodical verification in accordance regulation 6 of Chapter IX of the Convention, the Safety Management System was found to comply with the requirements of the ISM Code.

Intermediate Verification

(to be completed between second and third anniversary date)

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

(Stamp)

**Additional Verification\***

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

(Stamp)

**Additional Verification\***

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

(Stamp)

**Additional Verification\***

Signed.....  
(Signature of the authorised official)

Place.....

Date.....

\*if applicable

[F. No. SR-11012/3/99-MA]

SANJAY VIKRAM SINGH, Dy. Secy.